

पत्रांक - +302336 / मु०मं०आ०का०
राँची, दिनांक - 05/04/2020

सेवा में,

सभी उपायुक्त,
झारखण्ड।

विषय :- माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जनप्रतिनिधियों को प्रेषित पत्रों का प्रेषण।

महोदय,

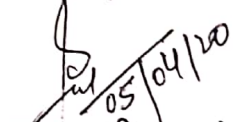
कोरोना महामारी के संकट से जुझ रहे झारखण्ड प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान उपस्थित संकट के प्रभाव के निदान हेतु सरकार द्वारा उठाए गये कदमों की सूचना एवं सुझाव हेतु सभी जनप्रतिनिधियों को माननीय मुख्यमंत्री जी ने पत्र लिखा है। इस पत्र के साथ-साथ उक्त पत्रों को संलग्न कर आपको ई-मेल के माध्यम से भेजा जा रहा है।

अतएव आपसे अनुरोध है कि उक्त पत्रों को सभी संबंधित महानुभावों को अपने स्तर से उपलब्ध कराने की कृपा की जाय साथ ही साथ निदेशानुसार यह भी कहना है कि पत्र में वर्णित निदेशों का अनुपालन अपने क्षेत्रों में दृढ़ता से कराया जाय।

सादर,

अनु० - यथोक्त।

भवदीय,


(सुनील कुमार श्रीवास्तव)

अ०स०प०सं०- 400088/C.M.O
दिनांक - 05. अप्रैल, 2020

आदरणीय सभी सांसद एवं विधायकगण

मान्यवर, आप अवगत हैं कि आज पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहा है। देशव्यापी लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के कारण झारखण्ड के बाहर से लाखों मजदूर भाई वापस आ गये हैं। साथ ही साथ राज्य के लाखों दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब परिवारों के सामने जीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। हर सरकार की यह जिम्मेवारी होती है कि वो अपने नागरिकों के जीविका एवं जीवन की रक्षा करे। इसी क्रम में हमारी सरकार ने निम्नांकित महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं :-

- आपदा निधि से स्वास्थ्य विभाग को 25 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- प्रत्येक जिले के उपायुक्तों को 50-50 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- सभी 4562 पंचायतों के मुखिया को 10-10 हजार रुपये की राशि दी गई है।
- राज्य के सभी नगर निकायों के प्रत्येक वार्ड को 10-10 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करायी गई है।
- राज्य के 342 थानों में पुलिस की मदद से कम्युनिटी किचन शुरू किया गया है।
- 875 दाल-भात केन्द्र चालू किये गये हैं। जिसमें 388 केन्द्रों पर खिचड़ी दी जा रही है तथा 498 विशेष दाल-भात केन्द्रों को शुरू किया गया है। जिसमें लॉकडाउन तक हर केन्द्र से 200 लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता रहेगा।
- सरकार लॉकडाउन के दौरान आकस्मिक आहार राहत पैकेट भी उपलब्ध करा रही है। इस आहार पैकेट में 2 किलो चुड़ा, आधा किलो गुड़ एवं आधा किलो चना दिया जायेगा। राँची जिले को 5000 पैकेट एवं अन्य सभी जिलों को 2000-2000 पैकेट उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है।
- राज्य के 48 लाख राशन कार्डधारक और 09 लाख अंत्योदय परिवार को अप्रैल और मई माह का अग्रिम राशन आवंटित किया गया है।
- सरकार ने राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले 7 लाख लोगों को चिन्हित किया है जिन्हें राशन कार्ड नहीं मिला है। इन्हें 10-10 किलोग्राम चावल देने की व्यवस्था की गई है।
- अप्रैल तक के सभी तरह के पेंशन की राशि विमुक्त कर दी गई है।



- कोरोंटाईन केन्द्रों और जगह-जगह वन रहे रिलीफ केन्द्र में रह रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- राज्य के बाहर फंसे हुए मजदूर भाईयों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम में 10 हेल्पलाईन नंबर चालू किया गया है। जिसमें 40 लोग एक साथ कॉल कर सकते हैं।

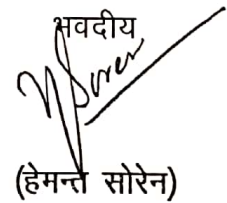
साथ ही मैंने प्रशासन को यह निर्देश दिया है कि माननीय सांसदों/विधायकों की अनुशंसा पर हर जरूरतमंदों को खाद्यान उपलब्ध कराया जाय ताकि संकट की इस घड़ी में एक भी झारखण्डी भाई भूखा ना रहे।

आपके सहयोग से हमारी सरकार इस संकट में अपने नागरिकों को आवश्यक सुविधा प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मैंने यह निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 4562 पंचायत मुख्यालय में निबंधित सखी मंडलों के माध्यम से "मुख्यमंत्री दीदी किचन" प्रारंभ किया जाय जिसमें मुख्यतः सभी असहाय एवं बेरोजगार श्रमिकों को रोजाना मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसे आज दिनांक 05.04.2020 से ही प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि आप अपने क्षेत्रों में चलाये जा रहे सभी तरह के राहत कार्यों एवं "मुख्यमंत्री दीदी किचन" का पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन करें ताकि उचित गुणवत्ता के साथ सभी लाचारों एवं जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

आईये हम सब मिलकर इस संकट की घड़ी में सभी जरूरतमंदों की मदद करें।

आशा है, इस पुनीत कार्य में आपका बहुमूल्य सहयोग एवं आवश्यक सुझाव हमें अवश्य प्राप्त होगा।

भवदीय

(हेमन्त सोरेन)

अ०स०प०सं०— 4000088/C.M.O
दिनांक — 05. अप्रैल, 2020

प्रिय सभी जिला परिषद् अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण

मान्यवर, आप अवगत हैं कि आज पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहा है। देशव्यापी लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के कारण झारखण्ड के बाहर से लाखों मजदूर भाई वापस आ गये हैं। साथ ही साथ राज्य के लाखों दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब परिवारों के सामने जीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। हर सरकार की यह जिम्मेवारी होती है कि वो अपने नागरिकों के जीविका एवं जीवन की रक्षा करे। इसी क्रम में हमारी सरकार ने निम्नांकित महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं :-

- आपदा निधि से स्वास्थ्य विभाग को 25 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- प्रत्येक जिले के उपायुक्तों को 50-50 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- सभी 4562 पंचायतों के मुखिया को 10-10 हजार रुपये की राशि दी गई है।
- राज्य के सभी नगर निकायों के प्रत्येक वार्ड को 10-10 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करायी गई है।
- राज्य के 342 थानों में पुलिस की मदद से कम्युनिटी किचन शुरू किया गया है।
- 875 दाल-भात केन्द्र चालू किये गये हैं। जिसमें 388 केन्द्रों पर खिचड़ी दी जा रही है तथा 498 विशेष दाल-भात केन्द्रों को शुरू किया गया है। जिसमें लॉकडाउन तक हर केन्द्र से 200 लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता रहेगा।
- सरकार लॉकडाउन के दौरान आकस्मिक आहार राहत पैकेट भी उपलब्ध करा रही है। इस आहार पैकेट में 2 किलो चुड़ा, आधा किलो गुड़ एवं आधा किलो चना दिया जायेगा। राँची जिले को 5000 पैकेट एवं अन्य सभी जिलों को 2000-2000 पैकेट उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है।
- राज्य के 48 लाख राशन कार्डधारक और 09 लाख अंत्योदय परिवार को अप्रैल और मई माह का अग्रिम राशन आवंटित किया गया है।
- सरकार ने राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले 7 लाख लोगों को चिन्हित किया है जिन्हें राशन कार्ड नहीं मिला है। इन्हें 10-10 किलोग्राम चावल देने की व्यवस्था की गई है।
- अप्रैल तक के सभी तरह के पेंशन की राशि विमुक्त कर दी गई है।

➤ कोरोनाईन केन्द्रों और जगह-जगह बन रहे रिलीफ केन्द्र में रह रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

➤ राज्य के बाहर फंसे हुए मजदूर भाईयों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम में 10 हेल्पलाईन नंबर चालू किया गया है। जिसमें 40 लोग एक साथ कॉल कर सकते हैं।

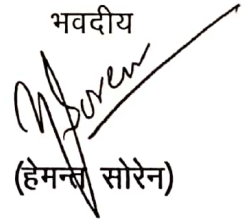
साथ ही मैंने प्रशासन को यह निर्देश दिया है कि माननीय सांसदों/विधायकों की अनुशंसा पर हर जरूरतमंदों को खाद्यान उपलब्ध कराया जाय ताकि संकट की इस घड़ी में एक भी झारखण्डी भाई भूखा ना रहे।

आपके सहयोग से हमारी सरकार इस संकट में अपने नागरिकों को आवश्यक सुविधा प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मैंने यह निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 4562 पंचायत मुख्यालय में निबंधित सखी मंडलों के माध्यम से "मुख्यमंत्री दीदी किचन" प्रारंभ किया जाय जिसमें मुख्यतः सभी असहाय एवं बेरोजगार श्रमिकों को रोजाना मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसे आज दिनांक 05.04.2020 से ही प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि आप अपने क्षेत्रों में चलाये जा रहे सभी तरह के राहत कार्य एवं "मुख्यमंत्री दीदी किचन" का पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन करें ताकि उचित गुणवत्ता के साथ सभी लाचारों एवं जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

आईये हम सब मिलकर इस संकट की घड़ी में सभी जरूरतमंदों की मदद करें।

आशा है, इस पुनीत कार्य में आपका बहुमूल्य सहयोग एवं आवश्यक सुझाव हमें अवश्य प्राप्त होगा।

भवदीय

(हेमन्त सोरेन)

अ०स०प०सं०- 4000088/C.M.O
दिनांक - 05. अप्रैल, 2020

प्रिय सभी महापौर, उप-महापौर एवं नगर अध्यक्ष

मान्यवर, आप अवगत हैं कि आज पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहा है। देशव्यापी लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के कारण झारखण्ड के बाहर से लाखों मजदूर भाई वापस आ गये हैं। साथ ही साथ राज्य के लाखों दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब परिवारों के सामने जीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। हर सरकार की यह जिम्मेवारी होती है कि वो अपने नागरिकों के जीविका एवं जीवन की रक्षा करे। इसी क्रम में हमारी सरकार ने निम्नांकित महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं :-

- आपदा निधि से स्वास्थ्य विभाग को 25 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- प्रत्येक जिले के उपायुक्तों को 50-50 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- सभी 4562 पंचायतों के मुखिया को 10-10 हजार रुपये की राशि दी गई है।
- राज्य के सभी नगर निकायों के प्रत्येक वार्ड को 10-10 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करायी गई है।
- राज्य के 342 थानों में पुलिस की मदद से कम्युनिटी किचन शुरू किया गया है।
- 875 दाल-भात केन्द्र चालू किये गये हैं। जिसमें 388 केन्द्रों पर खिचड़ी दी जा रही है तथा 498 विशेष दाल-भात केन्द्रों को शुरू किया गया है। जिसमें लॉकडाउन तक हर केन्द्र से 200 लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता रहेगा।
- सरकार लॉकडाउन के दौरान आकस्मिक आहार राहत पैकेट भी उपलब्ध करा रही है। इस आहार पैकेट में 2 किलो चुड़ा, आधा किलो गुड़ एवं आधा किलो चना दिया जायेगा। राँची जिले को 5000 पैकेट एवं अन्य सभी जिलों को 2000-2000 पैकेट उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है।
- राज्य के 48 लाख राशन कार्डधारक और 09 लाख अंत्योदय परिवार को अप्रैल और मई माह का अग्रिम राशन आवंटित किया गया है।
- सरकार ने राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले 7 लाख लोगों को चिन्हित किया है जिन्हें राशन कार्ड नहीं मिला है। इन्हें 10-10 किलोग्राम चावल देने की व्यवस्था की गई है।
- अप्रैल तक के सभी तरह के पेंशन की राशि विमुक्त कर दी गई है।

➤ कोरोटाईन केन्द्रों और जगह-जगह बन रहे रिलीफ केन्द्र में रह रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

➤ राज्य के बाहर फंसे हुए मजदूर भाईयों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम में 10 हेल्पलाईन नंबर चालू किया गया है। जिसमें 40 लोग एक साथ कॉल कर सकते हैं।

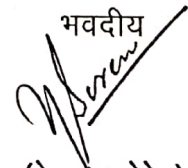
साथ ही मैंने प्रशासन को यह निर्देश दिया है कि माननीय सांसदों/विधायकों की अनुशांसा पर हर जरूरतमंदों को खाद्यान उपलब्ध कराया जाय ताकि संकट की इस घड़ी में एक भी झारखण्डी भाई भूखा ना रहे।

आपके सहयोग से हमारी सरकार इस संकट में अपने नागरिकों को आवश्यक सुविधा प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मैंने यह निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 4562 पंचायत मुख्यालय में निबंधित सखी मंडलों के माध्यम से "मुख्यमंत्री दीदी किचन" प्रारंभ किया जाय जिसमें मुख्यतः सभी असहाय एवं बेरोजगार श्रमिकों को रोजाना मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसे आज दिनांक 05.04.2020 से ही प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि आप अपने क्षेत्रों में चलाये जा रहे सभी तरह के राहत कार्यों एवं "मुख्यमंत्री दीदी किचन" का पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन करें ताकि उचित गुणवत्ता के साथ सभी लाचारों एवं जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

आईये हम सब मिलकर इस संकट की घड़ी में सभी जरूरतमंदों की मदद करें।

आशा है, इस पुनीत कार्य में आपका बहुमूल्य सहयोग एवं आवश्यक सुझाव हमें अवश्य प्राप्त होगा।

भवदीय

(हेमन्त सोरेन)

अ०स०प०सं०— 4000088/C.M.O
दिनांक — 05. अप्रैल, 2020

प्रिय सभी मुखियागण

मान्यवर, आप अवगत हैं कि आज पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहा है। देशव्यापी लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के कारण झारखण्ड के बाहर से लाखों मजदूर भाई वापस आ गये हैं। साथ ही साथ राज्य के लाखों दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब परिवारों के सामने जीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। हर सरकार की यह जिम्मेवारी होती है कि वो अपने नागरिकों के जीविका एवं जीवन की रक्षा करे। इसी क्रम में हमारी सरकार ने निम्नांकित महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं :-

- आपदा निधि से स्वास्थ्य विभाग को 25 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- प्रत्येक जिले के उपायुक्तों को 50-50 लाख की राशि उपलब्ध कराई गई है।
- सभी 4562 पंचायतों के मुखिया को 10-10 हजार रुपये की राशि दी गई है।
- राज्य के सभी नगर निकायों के प्रत्येक वार्ड को 10-10 हजार रुपये की राशि उपलब्ध करायी गई है।
- राज्य के 342 थानों में पुलिस की मदद से कम्युनिटी किचन शुरू किया गया है।
- 875 दाल-भात केन्द्र चालू किये गये हैं। जिसमें 388 केन्द्रों पर खिचड़ी दी जा रही है तथा 498 विशेष दाल-भात केन्द्रों को शुरू किया गया है। जिसमें लॉकडाउन तक हर केन्द्र से 200 लोगों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाता रहेगा।
- सरकार लॉकडाउन के दौरान आकस्मिक आहार राहत पैकेट भी उपलब्ध करा रही है। इस आहार पैकेट में 2 किलो चुड़ा, आधा किलो गुड़ एवं आधा किलो चना दिया जायेगा। राँची जिले को 5000 पैकेट एवं अन्य सभी जिलों को 2000-2000 पैकेट उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध करा दी गई है।
- राज्य के 48 लाख राशन कार्डधारक और 09 लाख अंत्योदय परिवार को अप्रैल और मई माह का अग्रिम राशन आवंटित किया गया है।
- सरकार ने राशन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले 7 लाख लोगों को चिन्हित किया है जिन्हें राशन कार्ड नहीं मिला है। इन्हें 10-10 किलोग्राम चावल देने की व्यवस्था की गई है।
- अप्रैल तक के सभी तरह के पेंशन की राशि विमुक्त कर दी गई है।

➤ कोरोंटाईन केन्द्रों और जगह-जगह बन रहे रिलीफ केन्द्र में रह रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

➤ राज्य के बाहर फंसे हुए मजदूर भाईयों को राहत पहुँचाने के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम में 10 हेल्पलाइन नंबर चालू किया गया है। जिसमें 40 लोग एक साथ कॉल कर सकते हैं।

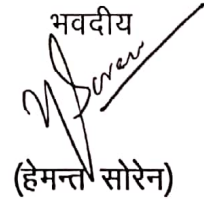
साथ ही मैंने प्रशासन को यह निर्देश दिया है कि माननीय सांसदों/विधायकों की अनुशांसा पर हर जरूरतमंदों को खाद्यान उपलब्ध कराया जाय ताकि संकट की इस घड़ी में एक भी झारखण्डी भाई भूखा ना रहे।

आपके सहयोग से हमारी सरकार इस संकट में अपने नागरिकों को आवश्यक सुविधा प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसी क्रम में मैंने यह निर्णय लिया है कि राज्य के सभी 4562 पंचायत मुख्यालय में निबंधित सखी मंडलों के माध्यम से "मुख्यमंत्री दीदी किचन" प्रारंभ किया जाय जिसमें मुख्यतः सभी असहाय एवं बेरोजगार श्रमिकों को रोजाना मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। इसे आज दिनांक 05.04.2020 से ही प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः आपसे अनुरोध है कि आप अपने क्षेत्रों में चलाये जा रहे सभी तरह के राहत कार्य एवं "मुख्यमंत्री दीदी किचन" का पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन करें ताकि उचित गुणवत्ता के साथ सभी लाचारों एवं जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

आईये हम सब मिलकर इस संकट की घड़ी में सभी जरूरतमंदों की मदद करें।

आशा है, इस पुनीत कार्य में आपका बहुमूल्य सहयोग एवं आवश्यक सुझाव हमें अवश्य प्राप्त होगा।

भवदीय

(हेमन्त सोरेन)